शनि ग्रह के कारकत्व

शनि ग्रह के कारकत्व अर्थात वे विशेष कारण या विषय वस्तुएं आदि जिनसे हम उस समय पूरी तरह प्रभावित होते हैं, जिस समय हम शनि ग्रह की दशा, गोचर, योग और अवस्था आदि में पूरी तरह प्रयत्नशील रहते हैं या उस आयु अवस्था आदि पर पहुंच जाते हैं, शनि ग्रह के वे सभी विशेष प्रभावित करने वाले तत्व निम्न प्रकार से हैंः-

आयु, जीवन, मृत्यु, दुर्भाग्य, संकट, अनादर, बीमारी, जड़ता, आलस्य, विघ्न, कष्ट, देह रोग, भ्रांति, भ्रम, गलतफहमी, अपंगता, आयुष्य, नपुंसकता, दुराचार, मिथ्या भाषण, वृद्धावस्था, काला रंग, भय, पतन, अपमान, निन्दा, क्रूर कर्म, लोहा या लोहे से बनी वस्तुएं, जेल जाना, गिरफ्तार होना, संघर्ष, पर्यटन, अपच (कब्ज), तेल, दास, विलम्ब, निष्पक्षता, हड़ताल, उर्जा संकट, धातु, कोयला, जौ, सरकारी इमारतें, जमाखोरी, मंहगाई, गरीबी, जनता, आजीविका, अनैतिक व्यवहार, अनेक विदेशी भाषाओं की जानकारी, न्यायाधीश, वायु विकार, दंत रोग, दुःख-शोक, सेवक-सेविकाओं, नौकरी, चोरी, पृथ्वी की गहराई से निकलने वाली वस्तु, लोभ-लालच, शिशिर ऋतु, मजदूर या मजदूरी, भारी वजन उठाने वाले वाहन या व्यक्ति, भिखारी, न्याय, अनुशासन और नियम आदि।